गन्ने की उन्नतशील जातियों की पहचान

को.शा. - ८४३६

पत्ती - इसका पत्र फलक चौड़ा, हल्का हरा, पंखे के आकार का फैला हुआ, तथा पत्र शीथ पर कांटे अनुपस्थित, आलिन्द कर्ण (ओरिकल) दोनों ओर दन्ताकार परन्तु एक ओर थोड़ा छोटा।

तना - इस प्रजाति का गन्ना हल्का पीला, मध्य मोटा, सीधा, कड़ा तथा बीच में पतला पिथ (शोथी) होती है। इसका गन्ना नीचे से मोटा व ऊपर से पतला होता है।

गाँठ - समतल होती है।

पोरी (पर्व) - गोलाकार, आँख नाली अनुपस्थित ग्रोथ रिंग पतला व

आँख - समतल होती है। गोलाकार, मसूर के दाने के आकार की तरह होती है। (पत्तियाँ सीधी खड़ी होती हैं।

को.शा. - ८८३२०

पत्ती - इसका पत्र फलक हल्का हरा, चौड़ा एवं लम्बा तथा पत्र शीथ पर कांटे उपस्थित (बहुत कम) आलिन्द कर्ण एक ओर छोटा खड़गाकार का तथा दूसरी ओर दन्ताकार।

तना - गन्ना हल्का हरा खुला हुआ भाग बैंगनी रंग का हो जाता है। सीधा, मध्यम मोटा, मुलायम एवं ठोस होता है। गन्ना नीचे की अपेक्षा ऊपर मोटा होता है।

गाँठ - उभरी हुई, पत्र किण तिरछा।

पोरी (पर्व) - गोलाकार, परन्तु आँख के पास उभरी हुई, आँख नाली उपस्थिता ग्रोथ रिंग उभरा हुआ।

आँख - बड़ी, गोलाकार, पत्र किण से निकलकर ग्रोथ रिंग के ऊपर तक होती है।

को.शा. - ९५२५५

पत्ती - इसका पत्र फलक हरा, पंखे लम्बा, मध्यम पतला होता है पत्र शीथ पर कांटे अनुपस्थित, आलिंद कर्ण एक ओर दन्ताकार दूसरी ओर खड़गाकार होता है।

तना - गन्ना सीधा, लम्बा, ठोस, मध्यम, पतला तथा मध्यम कड़ा हरा तथा ऊपरी भाग में अधिक काला रंग तथा नीचे की ओर सफेद दिखाई देता है।

गाँठ - उभरी हुई, पत्र किण तिरछा।

पोरी (पर्व) - गोलाकार, नीचे की ओर मध्यम लम्बी (डमरू आकार की) तथा ऊपर छोटी एवं मोटी, आँख नाली, अनुपस्थित, ग्रोथ रिंग उभरा हुआ।

आँख - छोटी, ऊपर चौड़ी नीचे पतली, पत्र किण से निकलकर ग्रोथ रिंग तक होती है।

को.जे. - ६४

पत्ती - इसका पत्र फलक हल्का हरा, मध्यम लम्बा एवं चौड़ा होता है। पत्र शीथ पर बहुत कम कांटे उपस्थित, आलिन्द कर्ण दोनों ओर दन्ताकार होते हैं।

तना – सीधा, मध्यम मोटा, मटमैला, पीले रंग का, ठोस तथा मुलायम होता है।

गाँठ – समतल, पत्र किण तिरछा।

पोरी (पर्व) – गन्ने की पोरी छोटी एवं ढोलक के आकार की, आँख नाली अनुपस्थित ग्रोथ रिंग दबा हुआ।

आँख – छोटी तथा अण्डाकार, पत्र किण से निकलकर ग्रोथ रिंग तक।

को.शा. - ८४३२

पत्ती – इसका पत्र फलक हल्का हरा, मध्यम लम्बा, चौड़ा तथा इसकी पत्ती के आधे से ऊपर का भाग नीचे झुका होता है। इसके पत्र शोथ पर कांटे अनुपस्थित, आलिन्द कर्ण दोनों ओर दन्ताकार परन्तु छोटे।

तना – हरा, पीला, मध्यम मोटा सीधा कड़ा ठोस तथा मध्यम लम्बा, गन्ने का ऊपर का हिस्सा नीचे की अपेक्षा कुछ पतला तथा गन्ने की गाँठ पर सूखी पत्ती चिपकी रहती है। तथा ऊपर ही हरी पत्ती की शीथ पर गुलाबी धब्बे आ जाते हैं।

गाँठ – उभरी हुई, दबी हुई, पत्र किण निकलकर ग्रोथ रिंग तक।

को.प. ८४२१२

पत्ती – इसका पत्र फलक मध्यम चौड़ा तथा मध्यम लम्बा पत्र, शोथ पर कांटे अनुपस्थित, आलिन्द कर्ण, खड़गाकार।

तना – सीधा, मध्यम मोटा, मुलायम, गन्ने का रंग हरा सफेद परन्तु खुला हुआ भाग हरा, पीला कहीं-कहीं बैंगनी धब्बे।

गाँठ – हल्की, उभरी हुई, पत्र किण गोल, परन्तु आँख के नीचे थोड़ा झुका हुआ।

पोरी (पर्व) – डमरू के आकार की, आँख नाली अनुपस्थित।

आँख – छोटी, अण्डाकार, पत्र किण से निलककर ग्रोथ रिंग तक।